

पाठ-3 छाता



हमर छाता हमर छाता ।
कतेक नीक हमर छाता ॥
कतेक बढिया एकर तार ।
छाता हमर बड़ बुधिआर ॥
रौद बचाबय रोकय पानि ।
हम चलै छी छाता तानि ॥

अभ्यास

1. अध्यापकक नेतृत्वमे नेना लोकनि कविताकेँ सस्वर पाठ करथि । ओकरा दोहराबथि, तेहराबथि ।

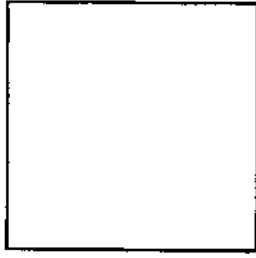
(क) छाता अहाँ कतय देखने छी ?

- | | | |
|------------------|------------------|-------------------|
| 1. घरमे | 2. मेलामे | 3. अध्यापकक हाथमे |
| 4. दादाजीक हाथमे | 5. बाबूजीक हाथमे | |

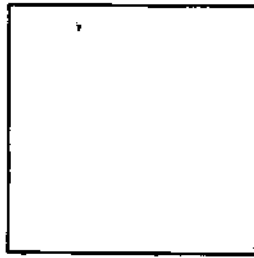
(ख) छाता कोन रंगक देखने छी ?

- | | | |
|--------------|---------------|----------------|
| 1. लाल छाता, | 2. कारी छाता, | 3. बहुरंग छाता |
| 4. छोट छाता | 5. बड़का छाता | |

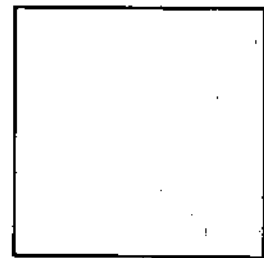
(ग) अनेक प्रकारक छाताक चित्र बनाउ



कारी छाता



लाल छाता



छोटका छाता

(घ) एहि कविताकेँ पूरा करू

1. कतेक हमर छाता ।
2. रौद बचाबय रोकय ।

